bill moved by Shri Sexanna is a timly one and I support it. I wish that Government of India should prepare a "who is who" of freedom fighters in the country. Besides, the State Government should be directed

अध्यक्ष महोदय : आप अपना भाषण बाद में जारी रखियेगा। इस समय प्रधानमन्त्री अपना एक वक्तव्य देंगी।

पश्चिमी क्षेत्र में सभी मोर्चों पर 17 दिसम्बर 1971 को रात्री के 8 बजे से युद्ध विराम संबन्धी भारत के निर्णय के बारे में वक्तव्य

STATEMENT RE: INDIA'S DECISION TO CEASE OPERATIONS FROM 20·00 HOURS. ON THE 17 TH. DECEMBER, 1971 ON ALL FRONTS IN THE WESTERN SECTOR

प्रधान मंत्री, परमाणु उर्जा मंत्री, इलेक्ट्रानिकी मंत्री, गृह मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्रीमति इन्दिरा गांधी) : बंगला देश में बड़ी उथल-पुथल होने के 6 दिन बाद, 31 मार्च 1971 को मैंने इस सभा में एक संकल्प पेश किया था। उस समय मैंने कहा था कि शान्ति में भारत की पूर्ण आस्था और मानवीय अधिकारों का समर्थन तथा रक्षा करने की हमारी प्रतिज्ञा के कारण यह आवश्यक हो जाता है कि बल प्रयोग और बंगला के निहत्थे लोगों के नरसंहार को शीघ्र ही रोका जाए। मैंने सभी देशों और सरकारों से अनुरोध किया था कि वे बंगला देश के लोगों की योजनाबद्ध हत्या को शीघ्र समाप्त कराने के लिये पाकिस्तान सरकार पर दबाव डालने हेतु तत्काल रचनात्मक कदम उठायें।

मैंने कहा था कि इस सदन का पूर्ण विश्वास है कि पूर्वी बंगाल की साढ़े सात करोड़ जनता की यह जागृति अन्ततोगत्वा सफल होगी। हमने उनको आश्वासन दिया था कि उनके उस संघर्ष और बलिदानों को भारत की ओर से पूर्ण सहानुभूति और समर्थन प्राप्त होगा। यह जो प्रण हमने इस सभा में किया था, उसको हमारे देश ने पूरा कर दिखाया है।

उन सभी लोगों ने, जिन्होंने शस्त्रास्त्र उठाये और जो इस कार्य के आयोजन और संचालन और निदेशन का काम करते रहे हैं तथा भारत के वे सभी लोग जिन्होंने इसका हृदय से समर्थन किया है, हमारे धन्यवाद और मुबारक के पात्र हैं।

यह विजय केवल शस्त्रों की नहीं है प्रत्युत विचारों की भी है। मुक्तिवाहिनी ने बंगला देश की स्थापना के लिये तीव्र इच्छा और साहस के साथ स्वतन्त्रता संग्राम लड़ा है। यदि हमारी सेनाओं को उनके 'लक्ष्य' का पूर्ण विश्वास न हो तो वे उस निर्भयता और वीरता से न लड़ सकते जिससे कि वे लड़े हैं।

भारत का दृष्टिकोण बड़ा व्यापक रहा है, और विरोध में लड़ने वालों के दृष्टिकोण के प्रति उसकी हमेशा सहनशीलता की भावना ही रही है।

हमारे सिद्धांत लोकतंत्र, धर्म-निरपेक्षता और समाजवाद है। इन सिद्धांतों पर चलकर

ही स्वतन्त्रता, तथा कमजोर व्यक्तियों की रक्षा तथा विभिन्न व्यक्तियों के लिये विकास के पूरे अवसर जुटाने का मार्ग प्रशस्त होता है ।

हम पुन: अपने आदेशों के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हैं । हमें यह भी आशा है कि पाकिस्तान भी वही मार्ग अपनायेगा जो उनकी परिस्थितियों और आवश्यकताओं के अनुकूल होगा । गत 24 वर्षों में हमने बहुत से उग्र भाषण, गालियां तथा गलत प्रचार अपने विरुद्ध होते हुए सुना है । हम विश्वास नहीं करते थे कि पाकिस्तान के लोगों की ऐसी आवाज है । उनके शासकों ने निरन्तर उन्हें अन्धेरे में रखा है । हम उन्हें यह आश्वासन देना चाहते हैं कि उनके प्रति हमारी भावनायें शत्रुतापूर्ण नही हैं ।

हम चाहते हैं कि पाकिस्तान से हमारे सम्बन्ध मैत्रीपूर्ण हों और हम एक दूसरे की भावना को अच्छी प्रकार समझें । वहां की जनता को अपने घर में मालिक बनकर रहना चाहिए । उन्हें अपनी शक्ति अपने देश की गरीबी और असमानता के उन्मूलन में लगानी चाहिये ।

इसी हार्दिक इच्छा के कारण ही कल शाम अपनी जल, थल और वायु सेना को आज आठ बजे शाम से सभी पश्चिमी मोर्चों पर लड़ाई बन्द कर देने के आदेश दिये थे ।

मैं देश के समस्त राजनितिक दलों का आभार मानती हूं, जिन्होंने इस संकट काल में अपना समर्थन प्रदान किया है । उन्होंने शांति के लिये की गई पहल का भी समर्थन किया है । हमारे विदेश मंत्री ने हमारी इस पेशकश को न्यूयार्क में सारे विश्व को बताया है । स्विट्जरलैंड के दूतावास के माध्यम से इसकी सूचना हमने पाकिस्तान की सरकार को भी दे दी है हमें आशा है कि पाकिस्तान के शासक हमारी पेशकश का स्वागत करेंगे और तदानुसार ऐसा ही मार्ग अपनायेंगे ।

यदि उन्होंने ऐसा न किया तो इसके जो भी परिणाम होंगे उसके लिए पाकिस्तान के सैनिक शासक ही उत्तरदायी होंगे । पश्चिमी मोर्चे पर जो भी कुछ होगा, हमें संचेत रहना है । आने वाले कुछ महिनों में हमें कई एक नयी और जटिल समस्याओं का सामना करना होगा हमें अपने देश की अखंडता और हितो, की रक्षा के लिये सदैव जागरूक रहना है और सबसे अधिक इस बात का ध्यान रखना है कि हमारे राष्ट्र के अस्तित्व की आधारभूत मान्यतायें अटूट और अखण्ड रहें ।

Shri Atal Bihari Vajpayee (Gwalior) : I have given a notice that I would like a discussion on it It has not been correctly stated by the Prime Minister that she has got the support of all the opposstion parties for declaring cease-fire. We want an opportiunity to discuss it.

अध्यक्ष महोदय : इस पर बाद में विचार किया जायेगा ।

श्री ए० के० गोपालन (पालघाट) : राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ जो बातचीत हुई थी मैं उसमें उपस्थित था । जनसंघ के श्री पीताम्बर दास भी उसमें उपस्थित थे और वह केवल युद्ध-विराम के लिए सहमत ही नहीं हुये थे अपितु उन्होने यह भी कहा था कि इससे पूर्व कि

याहयां खां कुछ करे, हमें शीघ्र ही ऐसा कर देना चाहिए। जब इनके दल का प्रतिनिधि एक बात को स्वीकार कर चुका है तो अब उसे वह सदन में क्यों उठा रहे हैं। यह गलत तरीका है।

Shri Atal Bihari Vajpayee : I am sorry that I was not present yesterday in the meeting. But our representatives have said that they have resemetias

श्री इन्द्रजीत गुप्त : श्री वाजपेयी तथा मैं स्वयं बैठक में उपस्थित नहीं थे। मैंने बैठक में उपस्थित सदस्यों से मालूम किया तो पता लगा कि घोषणा को पूरा पढ़ा गया था तथा उसमें कुछ परिवर्तन भी किये गये थे। किसी ने कोई आपत्ति नहीं की थी।

अध्यक्ष महोदय : यह विचार सदस्य महोदय को बाद में आया होगा। मैं इसकी अनुमति नहीं दे सकता।

प्रधान मन्त्री का अभिनन्दन करने के लिये सैंट्रल हाल में संसद सदस्यों के सम्मेलन के बारे में घोषणा

ANNOUNCEMANT RE. MEETING OF MEMBERS OF PARLIAMENT IN THE CENTRAL HALL TO FELICITATE THE PRIME MINISTER

अध्यक्ष महोदय : मैं सदस्यों को यह सूचना देना चाहता हूं कि कल शाम को चार बजे सदन द्वारा प्रधान मन्त्री का अभिनन्दन किया जायेगा यह मेरा सौभाग्य है कि इस समारोह की अध्यक्षता भी मैं ही करूंगा। वैसे मैं कल अपने चुनावक्षेत्र अमृतसर जाने वाला था। क्योंकि मुझे सदन में अपने चुनाव क्षेत्र के बारे में कुछ कहने का अधिकार नहीं है अत: प्रधान मन्त्री को स्वयं ही मेरे चुनाव क्षेत्र का ख्याल रखना चाहिये।

स्वतन्त्रता सेनानी (सेवाओं की सराहना) विधेयक-जारी

FREEDOM FIGHTERS (APPRECIATION OF SERVICES) BILL-CONTD

Shri Paripoornanand Painuli : I was saying that since we are going to celebrate the Silver jubilee of our Independence therefore we should take concrete steps to honour the freedom fighter

---

शनिवार, 18 दिसम्बर 1971 को सभा की बैठक के बारे में घोषणा

ANNOUNCEMENT RE: SITTING OF THE HOUSE ON SATURDAY DECEMBER 18, 1971

अध्यक्ष महोदय : कल हममें से अधिकांश लोग तो यहां होंगे ही। अत: इस अवसर का